भा. कृ. अनु. प. – राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर

ICAR - National Soybean Research Institute, Indore

सोया कृषकों के लिए साप्ताहिक सलाह (2026)

Weekly Soybean Advisories for for Soybean Growers (2026)

फा.क्र./File No. टेक 10-6/2026 खरीफ 2026

File. No. Tech 10-6/2026/Weekly Soybean Advisory **Date: 08.06.2026**

सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers
(8-14 जून 2026 / 8-14 June 2026)

सोया कृषकों को सलाह हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्र में मानसून के आगमन होने तथा न्यूनतम 100 मिमी. वर्षा होने पर ही सोयाबीन की बोवनी करें. अल नीनो के कारण सुखें की संभावित स्थिति की जोखिम को कम करने हेतु उपाय (कम/मध्यम समयावधि वाली एक से अधिक किस्मों की खेती, नमी संरक्षन तकनीकी वाले बोवनी यन्त्र जैसे BBF/रिज फरो/रेज बीएड) से बोवनी करने को प्राथमिकता दे. साथ ही उत्पादन में स्थिरता की दृष्टि से कृपया निम्नलिखत सस्य क्रियाओं के अनुपालन करें.

Soy Farmers are advised to conduct of soybean crop only after the arrival of monsoon in their area and receipt of 100 mm rainfall. In light of the forecasts regarding El Niño this year, farmers are advised to give priority to grow at least two soybean varieties with early or medium maturity duration, use of BBF/Ridge & Furrow/Raised bed planting method in order to avoid risk due to expected drought situation or long dry spells. They are also advised to adopt following agronomic practices to ensure yield stability.

अ. खेत की तैयारी, बोवनी पूर्व सस्य क्रियाये एवं आदान व्यवस्था
A. Land Preparation, pre-sowing agronomic practices and Input arrangements

1.	उत्पादन में स्थिरता की दृष्टि से 3 वर्ष में एक बार खेत की गहरी जुताई करना लाभकारी होता हैं. अतः ऐसे किसान जिन्होंने इस पद्धति को नहीं अपनाया हैं, कृपया इस समय अपने खेत की गहरी जुताई करें. उसके पश्चात विपरीत दिशा में कल्टीवेटर एवं पाटा चलाकर खेत को तैयार करें. सामान्य वर्षो में विपरीत दिशा में दो बार कल्टीवेटर एवं पाटा चलाकर खेत को तैयार करें. Deep summer ploughing once in 3 years, is beneficial practice in order to have yield stability. Therefore, farmers who have not yet done this, are advised to carry out the same followed by two criss-cross harrowing. In normal years, field may be prepared using criss-cross harrowing followed by planking.	
2.	**कार्बनिक खाद का प्रयोग**: पोषण प्रबंधन के लिए, अंतिम बखरनी से पूर्व गोबर की खाद (5-10 टन/हे) या मुर्गी की खाद (2.5 टन/हे) को खेत में फैलाकर अछि तरह मिला दे. **Use of Organic Manure**: Apply well-decomposed FYM @ 5-10 t/ha or Poultry Manure @ 2.5 t/ha before the last harrowing.	 **गोबर की खाद को खेत में फैलाए.**

3.	**किस्मों का चयन**: अपने जलवायु क्षेत्र के लिए अनुकूल विभिन्न समयावधि में पकनेवाली न्यूनतम 2-3 नोटिफाइड सोयाबीन की किस्मों का चयन कर बीज उपलब्धता सुनिश्चित करें. लेकिन इस वर्ष अल नीनो की संभावित स्थिति के पूर्वानुमान अनुसार कृषकों को सलाह हैं कि वे कृपया सोयाबीन किस्मों के चयन में शीघ्र या मध्यम समयावधि में पकने वाली किस्मों को प्राथमिकता दे (परिशिष्ट अ). **Selection of soybean variety**: Select 2-3 soybean varieties recommended for your area and ensure the availability of seed. However, in light of the forecasts regarding El Niño this year, farmers are advised to give priority to early or medium-duration soybean varieties while selecting soybean cultivars (Annexure-A).
4.	(मध्य प्रदेश/मालवा के ऐसे किसान जो सोयाबीन के बाद आलू, प्याज, लहसुन जैसी फसल लेकर गेहूं/चना लगाते हो, सोयाबीन की शीघ्र समयावधि वाली किस्म को लगाये. उसी प्रकार वर्ष में केवल दो फसलें लेने वाले कृषक मध्यम/अधिक समय परिपक्वता अवधि वाली किस्मों का चयन करें. Farmers of Malwa/Madhya Pradesh who prefer to grow three crops in succession (Soybean: Potato/Garlic/Onion-wheat for example) may select short duration soybean varieties. Similarly, those who are able to take only one succeeding crop after soybean (Wheat/Chickpea) are advised to select medium/long duration soybean varieties for ensuring maximum soybean yield.
5.	**बीज की गुणवत्ता जांच**: अंकुरण परिक्षण के माध्यम से सोयाबीन की बोवनी हेतु उपलब्ध बीज का न्यूनतम 70% अंकुरण सुनिश्चित करें. **Germination Test of Seed**: Ensure the quality of available soybean seed by carrying out Germination Test (minimum 70%) for proper plant stand.
6.	**आदान व्यवस्था:** सोयाबीन की खेती के लिए आवश्यक आदान (बीज, खाद-उर्वरक, फफूंदनाशक, खरपतवारनाशक, जैविक कल्चर आदि की जानकारी **परिशिष्ट ब .** में दी गई हैं.) का क्रय एवं उपलब्धता सुनिश्चित करें. **Input Arrangements:** Ensure availability of other critical inputs (fertilizers, weedicides, fungicides and cultures for seed treatment etc. as given in **Annexure-B**.

ब.सोयाबीन की बोवनी: बीज दर, पौधों/कतारों की दूरी, बोवनी यंत्रों का उपयोग

B. Soybean Sowing: seed rate, spacing, use of sowing equipment.

7.	**सोयाबीन की बोवनी के लिए उपयुक्त समय:** मानसून के आगमन के पश्चात न्यूनतम 100 मिमी. वर्षा होने पर ही सोयाबीन कि बोवनी करें जिससे उगी हुई फसल को सुखा/कम नमी के कारण किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हों. **Optimum Sowing Time for Soybean**: Sow the crop only after the arrival of monsoon and receipt of 10 cm rainfall.
8.	**कतारों/पौधों की दुरी, गहराई एवं बीज दर,**: देश के विभिन्न जलवायु क्षेत्रों के लिए अनुशंसित बोवनी की तिथियां, बीज दर तथा उर्वरकों की मात्रा सम्बंधित जानकारी परिशिष्ट अ में दी जा रही हैं. जबकि, मध्य क्षेत्र विशेषकर मध्य प्रदेश के सोया कृषकों को सलाह हैं कि वे कृपया बोवनी के समय निम्न सस्य क्रियाओं का अनुपालन करे. The zone-wise details of sowing time, seed rate and nutritional dose is given in Annexure-A. However, the farmers of Central Zone especially Madhya Pradesh are suggested to adopt following agronomic practices.

सोया किस्म का प्रकार/सस्य क्रिया Growth Habit of variety/ Agronomic Practice	शीघ्र पक्नेवाली/सीधी बढवार वाली सोया किस्में Erect Type/ Early variety	मध्यम समयावधी/फैलने वाली किस्में Spreading/Medium duration
कतारों की दुरी row spacing	30 सेमी/cm	45 सेमी/cm
पौधों की दूरी plant spacing	5-7 सेमी.cm	5-10 सेमी/cm.
बीज दर seed rate*	80-90 किग्रा/हे (kg/ha)	65-70 किग्रा/हे kg/ha.
बीज की गहराई sowing depth	2-3 सेमी cm.	2-3 सेमी cm.
बोवनी की पद्धति Sowing method	बी.बी.एफ./रिज-फरों/रेज बेड/परंपरागत सीड ड्रिल द्वारा Using BBF/FIRB/Raised Bed method	

* न्यूनतम 70% अंकुरण के आधार पर (depending upon 70% seed germination)

पोषक तत्व/उर्वरकों का प्रयोग Application of Nutrients/fertilizer sources 25:60:40:20 एन:पी:के:एस (कि.ग्रा/.हे.) NPKS (kg/ha)	
जैविक कल्चर-कन्सोर्शिया की अनुपस्थिति में संतुलित पोषक तत्वों की मात्रा Without using consortia	फफुन्दनाशक+कीटनाशक से बीजोपचार पश्चात जैविक कल्चर-कन्सोर्शिया के प्रयोग से से उर्वरकों की संतुलित मात्रा में 25 % कटौती
1. यूरिया 56 कि.ग्रा. + 375-400 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फॉस्फेट व 67 किग्रा म्यूरेट ऑफ़ पोटाश **अथवा** 2. डी.ए.पी 125 किग्रा .+ 67 किग्रा म्यूरेट ऑफ़ पोटाश +25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर **अथवा** 3. मिश्रित उर्वरक 12:32:16 @ 200 किग्रा + 25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर 4. आवश्यकताअनुसार 25 kg जिंक सलफेट (Zinc Sulphate) +50 kg आयरन सल्फेट (Iron Sulphate)	1. यूरिया 40 कि.ग्रा. + 280 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फॉस्फेट व 50 किग्रा म्यूरेट ऑफ़ पोटाश **अथवा** 2. डी.ए.पी 100-105 किग्रा .+ 50 किग्रा म्यूरेट ऑफ़ पोटाश +25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर **अथवा** 3. मिश्रित उर्वरक 12:32:16 @150 किग्रा + 25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर 4. आवश्यकताअनुसार 25 kg जिंक सलफेट (Zinc Sulphate) +50 kg आयरन सल्फेट (Iron Sulphate)

9. विगत कुछ वर्षो से फसल में सुखा, अतिवृष्टि या असामयिक वर्षा जैसी घटनाये देखि जा रही हैं. ऐसी विपरीत परिस्थितियों में फसल को बचाने हेतु सलाह हैं कि सोयाबीन की बोवनी के लिए बी.बी.एफ (चौड़ी क्यारी प्रणाली) या (रिज-फरो पद्धति) कुड-मेड-प्राणाली का चयन करें तथा सम्बंधित यन्त्र या उपकरणों का प्रबंध करें.

The unfavorable incidences like drought or heavy rains for prolonged period as well incessant rains are increasingly experienced in recent years. The soybean farmers are requested to use Broad Bed Furrow (BBF) or Ridge & Furrow. This will facilitate managing the crop both in case of waterlogging as well as drought situation.

चौड़ी क्यारी (BBF) पद्धति से बोवनी

कुड-मेड (रिज फरो) पद्धति से बोवनी

10. **फफूंदनाशक एवं कीटनाशक से बीजोपचार**: सोयाबीन फसल की प्रारंभिक अवस्था में रोग तथा कीटो से बचाव के साथ-साथ उपयुक्त पौध संख्या सुनिश्चित करने हेतु सोयाबीन में बीजोपचार अत्यंत आवश्यक हैं. इसके लिए अनुशंसा हैं कि बीज को अनुशंसित पूर्वमिश्रित फफूंदनाशक एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 2.5%+ थायोफिनेट मिथाईल 11.25%+ थायामिथोक्साम 25% एफ.एस . (10 मि.ली./कि.ग्रा. बीज) से उपचारित करें. वैकल्पिक रूप से निम्न तालिका में दिए गए अन्य अनुशंसित फफुन्दनाशक एवं कीटनाशकों की सूची में से किसी एक फफुन्द्राशक तथा कीटनाशक के साथ भी बीजोपचार किया जा सकता हैं.

बीजोपचार हेतु अनुशंसित फफूंदनाशक	
एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 2.5%+ थायोफिनेट मिथाईल 11.25%+ थायामेथोक्साम 25% एफ .एस.	10 मि.ली/.कि.ग्रा .बीज
ट्राइफ्लॉक्सीस्ट्रोबिन 6%+ थियोफैनेट मिथाइल 9.5% थाइमेथोक्सम 24% एफएस	2 मिली/किग्रा बीज
एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 1.5% + कार्बेन्डाजिम 8 थायामेथोक्साम 30% एफएस w/w)	100ग्राम
पेनफ्लूफेऩ+ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबीन FS	.08-1 मि.ली/.कि.ग्रा .बीज
कार्बोक्सिन 37.5%+थायरम 37.5%	3 ग्रा/.कि.ग्रा .बीज
कार्बेन्डाजिम 25%+ मेन्कोजेब 50% डब्ल्यू.एस.	3 ग्रा/.कि.ग्रा .बीज
फ्लुक्सापय्रोक्साड 333 g/l SC	1 ml/kg seed
बीजोपचार हेतु अनुशंसित कीटनाशक	
थायोमिथोक्सम 30 FS 10 मि.ली/.कि.ग्रा .बीज या इमिडाक्लोप्रिड 48 FS1.25 मि.ली/.कि.ग्रा.बीज	

Seed treatment with fungicide and insecticide: In order to save early stage crop from diseases and insects and ensure proper plant population, it is recommended to treat the seed with fungicides and insecticides. The seed should be treated with pre-mixed fungicide+Insecticide like Azoxystrobin 2.5% + Thiophanate Methyl 11.25% + Thiamethoxam 25% FS (10 ml/kg seed) which contain both the components. Alternatively, the seed treatment can also be done using any one of the recommended fungicides and insecticides from the list given here.

Recommended Fungicide for Seed Treatment	
Azoxystrobin 2.5% + Thiophanate Methyl 11.25% + Thiamethoxam 25% FS	10 ml/kg seed
Trifloxystrobin 6% +Thiophanate Methyl 9.5%+Thaimethoxam 24% FS	2 ml/kg seed
Azoxystrobin 1.5% + Carbendazim 8.0% + Thiamethoxam 30% FS w/w	100 g
Penflufen 13.28% w/w + Trifloxystrobin 13.28% w/w FS	0.8-1 ml/kg seed
Carboxin37.5%+ Thiram37.5%WS	3g/kg seed
Carbendazim + Mancozeb WP	3g/kg seed
Fluxapyroxad 333 g/l SC	1 ml/kg seed
Recommended Insecticide for seed treatment	
Thiamethoxam 30 FS @10 ml/kg seed OR Imidacloprid 48 FS @1.25 ml/kg seed	

11.	**जैविक कल्चर से टीकाकरण**: सोयाबीन की बोवनी करते समय बीज को जैविक कल्चर ब्रेडीरायबियम + पी.एस.एम् प्रत्येकी 5 ग्राम/किग्रा .बीज कि दर से करे . कृषकगण रासायनिक फफूंद नाशक के स्थान पर जैविक फफूंद नाशक ट्रायकोडर्मा (10 ग्राम/किग्रा बीज) का भी उपयोग कर सकते है जिसको जैविक कल्चर के साथ मिलकर प्रयोग किया जा सकता हैं. (बीजोपचार एवं टीकाकरण में निश्चित क्रम (फफूंदनाशक-कीटनाशक-जैविक कल्चर का अनुपालन करें).	
	Seed Inoculation: During sowing, it is advised to inoculate the seed with Bradyrhizobium *japonicum* and PSM cultures both @ 5 g/kg seed should be done just before sowing. As an alternative to chemical fungicides, farmers also have an option of using bio-fungicide i.e. *Trichoderma viride* (10 g/kg seed) which can be mixed along with organic cultures. The seed should be treated in FIR order ie.treat first with fungicide followed by insecticide and then by Bradyrhizobium culture	
12.	**खरपतवारनाशी का प्रयोग:** कृषकगण अपनी सुविधा के अनुसार अनुशंसित बोवनी के तुरंत बाद उपयोगी खरपतवारनाशकों में से किसी एक का प्रयोग खरपतवार नियंत्रण हेतु कर सकते हैं (तालिका 4) . कृषकों को सलाह हैं कि खरपतवारनाशकों के उपयोग हेतु पर्याप्त पानी (नेपसेक स्प्रेयर से प्रति हेक्टर 450-500 लीटर जबकि पॉवर स्प्रेयर से 120 लीटर/हे.) का उपयोग करें.	
	Use of herbicides for weed control: Farmers have a choice of selecting any one among various recommended Pre-emergence herbicides (Table-4) as per his convenience. It is suggested to use sufficient water (450-500 litre using knapsack sprayer or 120 litre in case of power sprayer)	

तालिका-1 देश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए सोयाबीन बोवनी का उपयुक्त समय, एवं बीज दर तथा बोवनी के समय उपयोगी फफूंदनाशक एवं खरपतवार नाशकों की सूची

क्षेत्र	उचित बुआई का समय *	बीज दर (कि.ग्रा/.हे)	एनःपीःकेःएस (कि.ग्रा/.हे.)	उर्वरकों के स्रोत एवं मात्रा**
मध्य	जून 20- 5जुलाई	65	25:60:40:20	56 कि .ग्रा युरिया, 375कि .ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 67कि .ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश
उत्तर पूर्वी पहाड़ी	15- 30जून	55	25:100:50:50	56 कि .ग्रा युरिया, 625कि .ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 84कि .ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश
उत्तर मैदानी	जून 20- 5जुलाई	65	25:75:25:37.5	56 कि .ग्रा युरिया, 470कि .ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 42कि. ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश
पूर्वी	15- 30जून	55	25:100:50:50	56 कि .ग्रा युरिया, 625कि .ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 84कि .ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश
दक्षिण	15- 30जून	65	25:80:20:30	56 कि .ग्रा युरिया, 500कि .ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 34कि.ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश

* मानसून आगमन पश्चात 100 मिमी. वर्षा होने पर) After the onset of monsoon and receipt of 100mm rainfall

** 25% of the recommended quantity can be reduced if microbial consortia is applied as seed inoculation during sowing

Table-1: Zone-wise sowing time, seed rate and list of recommended fungicides and herbicide for soybean

Zone	Time of sowing *	Seed Rate (kg/ha)	NPKS (kg/ha)	Fertilizer Sources and Quantity**
Central	June 20-5th July	65	25:60:40:20	56 kg Urea+375-400 kg SSP+ 67 kg MOP
North-East Hill	15th to 30th June	55	25:100:50:50	56 kg Urea+625 kg SSP+84 kg MOP
Northern Plain	June 20-5th July	65	25:75:25:37.5	56 kg Urea+470 kg SSP+ 42 kg MOP
Eastern	15th to 30th June	55	25:100:50:50	56 kg Urea+625 kg SSP+84 kg MOP
Southern	15th to 30th June	65	25:80:20:30	56 kg Urea+500 kg SSP+34 kg MOP

* After the onset of monsoon and receipt of 100mm rainfall

** 25% of the recommended quantity can be reduced if microbial consortia is applied as seed inoculation during sowing

परिशिष्ट अ (Annexure-A): देश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए अनुशंसित सोयाबीन की उन्नत किस्में

List of Soybean varieties recommended for different areas.

(मध्य क्षेत्र : मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश का बुन्देलखण्ड भाग, राजस्थान, गुजरात, उत्तर-पश्चिमी महाराष्ट्र Central Zone: Madhya Pradesh, Bundelkhand Region of Uttar Pradesh, Rajasthan, Gujarat, North-West Region of Maharashtra : JS 24-33, NRC 150, JS 21-72, NRC 142, JS 23-03, JS 23-09, MAUS 731, Gujarat Soya 4, JS 22-12, JS 22-16, NRC 165, NRC 157, MAUS 725 (Maharashtra*), Phule Durva (KDS 992 Maharashtra*), RVSM 2011-35, AMS 100-39 (PDKV Amba), MACS 1520, RSC 10-46, RSC 10-52, AMS-MB-5-18 (Suvarn Soya), Gujarat Soybean-4, Sorath Sonali (Gujarat)*, MAUS 725, Phule Durva (KDS 992)*, MAUS 731 (Marathwada)*
2. पूर्वी क्षेत्र (छत्तीसगढ़, झारखण्ड, बिहार, उड़ीसा एवं पश्चिम बंगाल Eastern Zone: Chhattisgarh, Jharkhand, Bihar, Orissa and West Bengal एवं **3. उत्तर पूर्वी पहाड़ी क्षेत्रः असम, मेघालय, मणीपुर, नागालैण्ड व सिक्किम Northern Hill Zone: Assam, Meghalaya, Manipur, Nagaland, & Sikkim :** RSC 11-35, RSC 10-71, RSC 10-52, Birsa Soya-4 (Jharkhand*), MACS 1407, MACS 1460, NRC 128, RSC 11-07 and RSC 10-46
4. उत्तरी मैदानी क्षेत्रः पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश के पूर्वी मैदान, मैदानी उत्तराखण्ड व पूर्वी बिहार Northern Plain Zone: Punjab, Haryana, Delhi, North Eastern Plains of Uttar Pradesh, Plains of Uttarakhand and Eastern Bihar: Pusa Soybean 21, NRC 149, Pant Soybean 27, PS 1670, SL 1074, SL 1028, NRC 128, Uttarakhand Black Soybean (Bhat 202-Uttarakhand*) SL 979, SL 955, Pant Soybean 26 (PS 1572), PS 1368, PS 24 (PS 1477), VLS 89
5. उत्तरी पहाड़ी क्षेत्रः हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्र: (Northern Hill Zone) : शालीमार सोयाबीन-3 (SKAU-S-3), Himachal Pradesh and Hill Region of Uttarakhand NRC 197, VLS 99, Him Palam Soya-1 (Himachal Pradesh*), Pant Soybean 25 (PS 1556), Shalimar Soybean-1 (J&K)
6. दक्षिणी क्षेत्रः कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश व महाराष्ट्र का दक्षिणी भाग: Southern Zone: Karnataka, Tamil Nadu, Telangana, Andhra Pradesh, Southern Part of Maharashtra: ALSB 50 (Telangana*), MAUS 725 (Maharashtra*), Phule Durva (KDS 992 (Maharashtra*) NRCMACS 1667, NRC 142, MACS 1460, NRC 132, DSb 34, KDS 753 (Phule Kimaya), KBS 23 (Karnataka*)

परिशिष्ट ब (Annexure B) सोयाबीन खेती के लिए आवश्यक आदानों की सूची

1. केन्द्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा अनुमोदित (31.03.2026) सोयाबीन में बीजोपचार हेतु अनुशंसित रसायन

रसायन	मात्रा	रोग
ट्राइफ्लॉक्सीस्ट्रोबिन 6% + थियोफैनेट मिथाइल 9.5% + थाइमेथोक्सम 24% एफएस	2 मिली/किग्रा बीज	बीज सड़न, अंकुर (तना) सड़न, तना मक्खी और सफेद मक्खी
एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 1.5% + कार्बेन्डाजिम 8.0% + थियामेथोक्साम 30% एफएस w/w	100 ग्राम	फ्यूजेरियम जड़ सड़न, फाइटोफ्थोरा जड़ सड़न, राइजोक्टोनिया अंकुर, ब्लाइट, पाइथियम, अंकुर झुलसा रोग,
एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 2.5%+ थायोफिनेट मिथाईल 11.25%+ थायामेथोक्साम 25% एफ. एस.	10 मि.ली./कि.ग्रा. बीज	चारकोल रॉट, एन्थ्रेक्नोज एवं बड ब्लाईट, कॉलर रॉट, रूट रॉट, पर्पल सीड स्ट्रेन, फ्राग आई लिफ स्पॉट, नवजात पौध सडन जैसे बीज जनित रोग
पेनफ्लूफेऩ+ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबीन FS	0.8-1 मि.ली./कि.ग्रा. बीज	
कार्बोक्सिन 37.5%+थायरम 37.5%	3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज	
कार्बेन्डाजिम 25%+ मेन्कोजेब 50% डब्ल्यू.एस.	3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज	
फ्लुक्सापय्रोक्साड 333 g/l SC	1 ml/kg seed	रायजोक्टोनिया रूट रॉट ,कोटीलीडन स्पॉट
थायोमिथोक्सम 30 FS	10 मि.ली./कि.ग्रा. बीज	पीला मोजाईक वायरस
इमिडाक्लोप्रिड 48 FS	1.25 मि.ली./कि.ग्रा.बीज	

1. Chemicals recomeded for seed treatment in soybean as per the list approved by CIB (31.03.2026)

Chemical	Quantity	Disease
Trifloxystrobin 6% +Thiophanate Methyl 9.5%+Thaimethoxam 24% FS	**2 ml/kg seed**	Seedling Rot, stem rot, stem fly and white fly
Azoxystrobin 1.5% + Carbendazim 8.0% + Thiamethoxam 30% FS w/w (New)	**100g**	Fusarium root rot, phytopthora root rot, rhizoctonia blight, pithium blight
Azoxystrobin 2.5% + Thiophanate-methyl 11.25% + Thiamethoxam 25% FS	10 ml/kg seed	Fusarium Root Rot, Phytophthora Root Rot, Rhizoctonia Seedling Blight
Penflufen Trifloxystrobin FS	0.8–1 ml/kg seed	Seed/Seedling diseases
Carboxin 37.5% + Thiram 37.5%	3 g/kg seed	Collar Rot, Charcoal Rot, other seedling diseases
Carbendazim 25% + Mancozeb 50% WS	3 g/kg seed	Root Rot, Collar Rot
Fluxapyroxad 333 g/l SC	1 ml/kg seed	Rhizoctonia Root Rot, Cotyledonary Spot
B. Seed Treatment at the Time of Sowing (Recommended Insecticides)		
Thiamethoxam 30 FS	10 ml/kg seed	Yellow Mosaic Virus
Imidacloprid 48 FS	1.25 ml/kg seed	Yellow Mosaic Virus

2. केन्द्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा दिनांक 31.03.2026 को जारी सोयाबीन फसल में अनुशंसित बोवनी पूर्व एवं बोवनी के तुरंत बाद उपयोगी खपतवारनाशकों की सूची

क्रं.	खरपतवारनाशक का प्रकार	रासायनिक नाम	मात्रा/हेक्टे.
1	बौवनी पूर्व उपयोगी (PPI)	डायक्लोसुलम+ पेण्डीमिथालीन (22.5 + 875 सक्रीय तत्व/ha)	2.5 l
		पेण्डीमिथालीन+इमेझेथापायर	2.5-3.0 ली.
		फ्लूक्लोरलिन 45% EC	2.22-3.33 l/ha
2	बौवनी के तुरन्त बाद(पीई)	पाइरोक्सासल्फोन 63.75 % + डाइक्लोसुलम 13.00 % W/W WG	200 ग्रा.
		मेटोलाक्लोर 35.98% + सल्फेंट्राजोन 11.51% w/w EC	2.5ली.
		डायक्लोसुलम+ पेण्डीमिथालीन (22.5 + 875 सक्रीय तत्व/ha)	2.5 l
		डायक्लोसुलम 84 डब्ल्यू.डी.जी.	26-30 ग्राम
		सल्फेन्ट्राझोन 39.6 एस.सी.	0.75 ली.
		क्लोमोझोन 50 ई.सी.	1.50 - 2.00 ली.
		पेण्डीमिथालीन 30 ई.सी.	2.50-3.30 ली.
		पेण्डीमिथालीन 38.7 सी.एस.	1.50-1.75 कि.ग्रा.
		फ्लूमिआक्साझिन 50 एस.सी.	0.25 ली.
		मेट्रीब्युझिन 70 डब्ल्यू.पी.	0.75-1.00 कि.ग्रा.
		सल्फेन्ट्राझोन+क्लोमोझोन	1.25 ली.
		पायरोक्सासल्फोन 85 डब्ल्यू.जी.	150 ग्रा.
		मेटालोक्लोर 50 ई.सी.	2.00 ली.

2. List of herbicides PPI and PE herbicides recommended for soybean (as per CIB lable claims 31.03.2026)

S.No.	Application Timing	Chemical Name / Formulation	Dose per Hectare
1	**Pre-Plant Incorporation (PPI)**	Diclosulam 0.9% + Pendimethalin 35% SE (22.5 + 875 a.i. ha)	2.51 L
		Pendimethalin + Imazethapyr	2.5–3.0 L
		Fluchloralin 45% EC	2.22–3.33 L
2	**Pre-Emergence (PE)** (Immediately after sowing)	Pyroxasulfone 63.75% + Diclosulam 13.00% W/W WG	200 g
		Metolachlor 35.98% + Sulfentrazone 11.51% w/w EC	2.5 L
		Diclosulam 0.9% + Pendimethalin 35% SE	2.51 L

		Diclosulam 84 WDG	26–30 g
		Sulfentrazone 39.6 SC	0.75 L
		Clomazone 50 EC	1.50–2.00 L
		Pendimethalin 30 EC	2.50–3.30 L
		Pendimethalin 38.7 CS	1.50–1.75 kg
		Flumioxazin 50 SC	0.25 L
		Metribuzin 70 WP	0.75–1.00 kg
		Sulfentrazone + Clomazone	1.25 L
		Pyroxasulfone 85 WG	150 g
		Metolachlor 50 EC	2.00 L

****